पूनम पांडेय की तरह फेंक निकली आंचल तिवारी की मौत की खबर

मुंबई । 25 फरवरी को भयानक सड़क हादसा हुआ था। इसमें 9 लोगों की मौत की खबर सामने आई थी, जिसमें एक नाम आंचल तिवारी का था। इसके बाद मानों हर कोई 'पंचायत 2 अभिनेत्री आंचल तिवारी के निधन पर अचंभित था। लेकिन आंचल ने वीडियो शेयर कर खबर को अफवाह बताया है। बता दें कि आंचल के नाम पर एक बड़ी कंफ्यूजन हो गई है। हादसे में जिसकी मौत हुई वहां भोजपुरी अभिनेत्री थी, लेकिन नाम आंचल होने के कारण लोगों को लगा की पंचायत' की अभिनेत्री आंचल की मौत हुई है। अपनी मौत की झूठी खबर फैलाने वालों को अब आंचल ने सरेआम फटकार लगा दी है। साथ ही कुछ मीडिया घरानों का नाम लेकर उन्हें रिसर्च करने की सलाह तक दे दी है। जैसे ही उनका वीडियो सामने आया उसके बाद से ही आंचल की तुलना अभिनेत्री पूनम पांडेय से होनी शुरू हो गई। हाल ही में पूनम पांडेय ने भी फेक डेथ प्रैंक कर खूब लाइमलाइट बटोरी थी।

सावधान...बिहार में कोरोना ने दी दस्तक, 22 मरीज सामने आए

पटना । बिहार में फिर से कोरोना ने दस्तक दे दी हैं। खासकर राजधानी पटना में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले दो दिनों में पटना में 22 कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं। लेकिन ये सिर्फ सरकारी आंकड़े हैं। क्योंकि इससे भी अधिक पटना में लोग कोरोना संक्रमित हैं। लेकिन वे जांच नहीं करा रहे हैं, इसकारण उनके आंकड़े सामने नहीं आ पा रहे हैं। इस बार शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीज अधिक आ रहे हैं। कारण ये है कि शहरी लोग कोरोना की जांच नहीं कर रहे हैं। इसकारण वे संक्रमित हैं, लेकिन उनकी पहचान नहीं हो रही है। इस बार कोरोना के 95 प्रतिशत मरीज ग्रामीण क्षेत्रों के हैं और बाकी पटना सिटी क्षेत्र के संक्रमित मरीज चिन्हित किए गए हैं। पटना में कोरोना संक्रमित 13 मरीज चिन्हित किए गए हैं, जिसमें सबसे अधिक पांच मरीज पालीगंज के हैं। डॉक्टर के अनुसार इस बार खांसी, पसलियों में दर्द की शिकायत वाले मरीज ज्यादा आशंकित लग रहे हैं। अधिकतर लोग खाँसी और पसलियों में दर्द से परेशान हैं। कुछ जांच करवा रहे हैं, वहीं कुछ जांच नहीं करवा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि सभी खांसी और पसलियों में दर्द की शिकायत वाले कोरोना संक्रमित हैं। अभी मौसम बदलने के कारण भी लोगों में ख़ासी और दर्द की शिकायत है लेकिन उसमें से ही कई लोग हैं जो कोरोना से संक्रमित हैं। बिहार में कोरोना के कारण मौत का सिलसिला भी अब शुरू हो गया है। रोहतास ज़िले के करगहर प्रखंड के तोड़नी गांव में एक चार साल के बच्चे की कोरोना के कारण मौत हो गई।

जीएनएलयू कैंपस में छेड़छाड़, बलात्कार, हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी एक राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय कैसे है?

अहमदाबाद । गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) के कैंपस में छेड़छाड़, बलात्कार, होमोफोबिया और भेदभाव की घटनाएं एक तथ्य-खोज समिति द्वारा रिपोर्ट की गई हैं, जिसने गुजरात एचसी को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। रिपोर्ट को 'वास्तव में खौफनाक' बताकर मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध माई की पीठ ने घटनाओं के लिए जीएनएलयू को दोषी ठहराकर कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन छात्रों की आवाज दबाने में शामिल था। दरअसल हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट के बाद मीडिया रिपोर्टों पर स्वत- संज्ञान लिया था। जहां जीएनएलयू में एक लड़की के साथ बलात्कार किया गया था और एक समलैंगिक छात्र का यौन उत्पीड़न किया गया था। इसके बाद एचसी के पूर्व न्यायाधीश हर्षा देवानी की अध्यक्षता में समिति का गठन हुआ था। इसके पहले, विश्वविद्यालय के आईसीसी और रजिस्ट्रार ने आरोपों को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने टिप्पणी की, यह विश्वविद्यालय एक राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय कैसे है? और रजिस्ट्रार एक हलफनामा दायर कर रहा है जिसमें कहा गया है कि 'कुछ नहीं हुआ, आगे की कार्यवाही बंद करें। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि यौन उत्पीड़न या बलात्कार की केवल दो घटनाएं नहीं थीं, जैसा कि सोशल मीडिया पोस्ट में बताया गया है। लेकिन छेड़छाड़, बलात्कार, भेदभाव, समलैंगिकता, पक्षपात, आवाज का दमन, आईसीसी के अस्तित्व की कमी, आईसीसी के बारे में छात्रों को जानकारी की कमी की घटनाएं हैं। रिपोर्ट के आलोक में, एचसी ने सक्षम प्राधिकारी द्वारा जीएनएलयू के मामलों की उच्च-स्तरीय जांच कराने का निर्णय लिया, जो दोषी प्रशासकों और फैकल्टी के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकता है, यह देखते हुए कि रजिस्ट्रार, निदेशक के साथ-साथ फैकल्टी के पुरुष सदस्यों के खिलाफ भी आरोप हैं। रिपोर्ट से साफ होता हैं कि कैसे फैकल्टी सदस्यों और जीएनएलयू प्रशासन ने छात्रों की शिकायतों पर जांच में बाधा डाली। न्यायाधीशों ने सोशल मीडिया पर व्यक्त छात्रों की शिकायतों को अपराध मानने के लिए जीएनएलयू की आलोचना की, 'मानो इससे विश्वविद्यालय की छवि खराब होगी। हाईकोर्ट ने कहा 'उन्होंने एक प्रतिकूल दृष्टिकोण अपनाया।

झारखंड सरकार पर स्कूलों के इस्लामीकरण का आरोप, भाजपा हमलावार

हजारीबाग । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल जैसे हिंदूवादी संगठन फिर झारखंड सरकार पर स्कूलों के इस्लामीकरण की छूट देने पर हमलावार हैं। पिछले कई दिनों से हिंदूवादी संगठन आक्रोशित हैं। दरअसल झारखंड के हजारीबाग से एक सरकारी स्कूल पर मस्जिद जैसी मीनार बनाने की बात सामने आई। लोकल अखबारों में खबरें छपीं तब मामला तूल पकड़ते हुए प्रदेश स्तर पर छा गया। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड सरकार को घेरकर तुष्टिकरण का परिणाम बताया है। फिलहाल प्रशासन पूरे मामले की जांच में लगा हुआ है।

पूर्व कुलपति के पद्म भूषण पदक चोरी के मामले में पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली । पंजाब विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति जी.सी. चटर्जी के पद्म भूषण चोरी मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पद्म भूषण पदक की चोरी के मामले में एक महिला समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान श्रवण कुमार (33), हरि सिंह (45), रिंकी देवी (40), वेद प्रकाश (39) और प्रशांत विश्वास (49) के रूप में हुई है जो यहां मदनपुर खादर के निवासी हैं। पुलिस के मुताबिक, बिस्वास एक जौहरी है जिसने कथित तौर पर पदक खरीदा था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हरि सिंह, रिंकी देवी और वेद प्रकाश मंगलवार को पदक को बेचने के लिए एक जौहरी दलीप के पास गए। दलीप ने पदक को नहीं खरीदा और पुलिस को सूचना दी। इस दौरान आरोपी वहां से चले गए। उन्होंने बताया कि इसके बाद पुलिस हरकत में आ गई और आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार करने के लिए सरिता विहार के पुलिस उपायुक्त की देखरेख में कालिंदी कुंज के थाना प्रभारी और अन्य कर्मियों का एक दल बनाया गया। इस मामले में इलाके के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। सीसीटीवी फुटेज के बाद आरोपियों की पहचान हरि सिंह, रिंकी देवी और प्रकाश बिस्वास के रूप में हुई है। पुलिस ने दी जानकारी के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि पदक श्रवण कुमार ने चुराया था जो साकेत का रहनेवाला है और जी.सी. चटर्जी के पोते समरेश चटर्जी का चिकित्सा सहायक भी था।

अविवाहित महिलाओं के लिए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने लिया बड़ा फैसला

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने चयन शर्तों में संशोधन को स्वीकृति देकर प्रदेश में अविवाहित महिलाओं के लिए भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका बनने का रास्ता साफ कर दिया है। डिप्टी सीएम श्रीमती दिया कुमारी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में पहली बार ऐतिहासिक निर्णय हुआ हैं, जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका के पदों के आवेदन करने के लिए सभी महिलाएं पात्र होंगी। इसके लिए चयन शर्तों में संशोधन किया गया है। महिला एवं बाल विकास शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने बताया कि उप मुख्यमंत्री के द्वारा आंगनबाड़ी मानदेय कर्मियों की चयन शर्तों में संशोधन की स्वीकृति देकर अविवाहित महिलाओं को भी इस क्षेत्र में अवसर देने की पहल की गई है। श्री कुणाल ने बताया कि उपमुख्यमंत्री ने राज्य में जो साथिन दो वर्ष की कार्य निरंतरता का अनुभव रखती हैं उन्हें आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के लिए आवेदन करने पर अनुभव में वरीयता दी जाने को स्वीकृति दी है। इसके लिए उन्हें बोनस में चार अंक दिए जाएंगे जो उनका चयनित होना और आसान करेगा।

एक सर्वे में पीएम मोदी को बताया सबसे ताकतवर भारतीय नेता

-फिर मिली अमित शाह, मोहन भागवत को जगह, राहुल गांधी 16वें स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक सर्वे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर से देश के सबसे ताकतवर भारतीय नेता बनकर उभरे हैं। हालांकि इसमें यूपी के सीएमस योगी, अमित शाह व मोहन भागवत का भी नाम है, जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 16वें नंबर पर रखा गया है। जानकारी के अनुसार सबसे ताकतवर भारतीय 2024 की लिस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद दूसरे नंबर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं। जब?कि टॉप 10 में अधिकतर केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के लोग हैं। एक सर्वे के मुताबिक 2024 की आईई 100 लिस्ट में, अरबपति गौतम अडानी और भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को भी टॉप 10 ताकतवर भारतीयों में शामिल किया गया है। दूसरी ओर, कांग्रेस नेता राहुल गांधी 2024 की इस लिस्ट में सबसे ताकतवर भारतीयों में 16वें स्थान पर हैं। वहीं आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल 18वें स्थान पर हैं।

टॉप 10 नामों में पीएम मोदी इस लिस्ट में पहले नंबर पर हैं। एक्स प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी के 9.56 करोड़ फॉलोअर्स हैं, जो दुनिया के सभी नेताओं में सबसे ज्यादा हैं। मोदी के बाद, दूसरे सबसे ताकतवर भारतीय केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं। उन्हें भाजपा के मुख्य रणनीतिकार के रूप में जाना जाता है, जिनके नेतृत्व में पार्टी ने दिसंबर 2023 में मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों में शानदार जीत हासिल की। आरएसएस सरसंघचालक इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। 22 जनवरी के राम मंदिर प्रतिष्ठा समारोह के दौरान भागवत पीएम मोदी के साथ नजर आए थे।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ चौथे सबसे ताकतवर भारतीय हैं। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के फैसले के पक्ष में फैसला सुनाया था। अब इस चुनावी वर्ष में, हर फैसले पर बारीकी से नजर रखी जाएगी कि वह मामलों को कैसे संभालते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपनी मजबूत कूटनीतिक कला से देश के नागरिकों को खूब प्रभावित किया है। यूपी के सीएम योगी भाजपा के सबसे प्रमुख नेताओं में से एक हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री कैबिनेट में पीएम मोदी के सबसे वरिष्ठ सहयोगी रहे हैं। राजनाथ सिंह को अपनी संकटमोचक छवि के लिए सभी दलों के नेताओं में खासा सम्मान हासिल है।

इसी तरह आठवें नंबर पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण है जो भारत की सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाली महिला वित्त मंत्री हैं। उनके नेतृत्व में, भारत की अर्थव्यवस्था ने लगातार तीन वर्षों तक 7प्र?तिशत की वृद्धि दर्ज की। फिर जेपी नड्डा हैं जो भाजपा संगठन का नेतृत्व करने वाले प्रमुख व्यक्ति हैं। दसवें नंबर पर 101 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ गौतम अडानी शीर्ष 10 शक्तिशाली भारतीयों में एकमात्र बिजनेस टाइकून है।

पीएम मोदी की स्पष्ट दृष्टि ने हमेशा मदद की है : एस. जयशंकर

बेंगलुरु । विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि ने हमेशा मदद की है। उन्होंने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के साथ संघर्ष के दौरान मॉस्को पर लगे प्रतिबंधों के बीच रूसी तेल खरीदने पर हमने कड़ा रुख अपनाया है, क्योंकि वह मजबूत प्रधानमंत्री के साथ मजबूत सरकार के मंत्री हैं। विदेश मंत्री ने हुबली के बीवीबी कॉलेज में संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी द्वारा शुरू किए गए विकास कार्यों पर एक पुस्तिका जारी करते हुए यह बात कही। यह स्वीकार करते हुए कि भारत यूरोपीय देशों के बड़े दबाव में था, जिन्होंने रूस के साथ उसके तेल व्यापार को अस्वीकार कर दिया था, उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्पष्ट दृष्टि थी, जिसने उस समय मदद की। मंत्री जयशंकर ने कहा कि हमारे पास एक ऐसा प्रधानमंत्री था जो बहुत स्पष्ट था, कि भारतीय उपभोक्ता का हित पहले आएगा। लोग कहते हैं कि आपने बहुत कड़ा रुख अपनाया। मैंने बहुत कड़ा रुख अपनाया, क्योंकि मैं एक मजबूत प्रधानमंत्री की सरकार का मंत्री हूं। पिछले दिनों, विदेश मंत्री जयशंकर ने चुटकी लेते हुए कहा था कि भारत की तेल खरीद यूरोप द्वारा एक दोपहर में की जाने वाली खरीद से कम है। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा था कि नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल खरीदना दूसरों के लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में रूस के साथ अपने मैत्रीपूर्ण संबंधों की पुष्टि करते हुए कहा था कि मास्को ने कभी भी नई दिल्ली के हितों को नुकसान नहीं पहुंचाया है। हालांकि फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद से सदाबहार दोस्तों के बीच द्विपक्षीय संबंधों की तेजी से जांच परख हो रही है। कालेज में भीड़ की तालियों और जयकारों के बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने पीएम मोदी की प्रशंसा की और कहा कि विदेश मंत्री बनना अच्छा है, लेकिन मुझे पीएम मोदी का विदेश मंत्री बनना और भी अच्छा है।

ममता बनर्जी 73 मुस्लिम जातियों को देना चाहती हैं ओबीसी का दर्जा

-राष्ट्रपति से शिकायत करेगा पिछड़ा वर्ग आयोग, राज्य की सिफारिश पर आपत्ति

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार द्वारा राज्य की 73 मुस्लिम जातियों को ओबीसी में शामिल करने का मामला राष्ट्रपति के पास पहुंचने वाला है। दरअसल पिछड़ा वर्ग आयोग इसे लेकर शिकायत करने जा रहा है। इससे ममता सरकार की नई मुसीबत खड़ी हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार कई दर्जन जातियों को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) में शामिल करने की बंगाल सरकार की सिफारिश के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत करने की तैयारी हो रही है। दरअसल राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग (एनसीबीसी) ने ओबीसी की केंद्रीय सूची में 83 जातियों को शामिल करने की राज्य की सिफारिश पर गंभीर आपत्ति जताई है। आयोग ने कुछ समुदायों को राज्य सूची में शामिल करने पर भी आपत्ति जताई है और इस संबंध में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से शिकायत करने का फैसला किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ममता सरकार ने जिन 83 जातियों को केंद्रीय ओबीसी लिस्ट में शामिल करने की सिफारिश की है उनमें से 73 मुस्लिम समुदाय से हैं।

इधर एनसीबीसी ने इसका कड़ा विरोध किया है। पिछड़ा वर्ग आयोग का कहना है कि राज्य सरकार ने इन जातियों के सामाजिक और शैक्षिक पिछड़ेपन के ताजा आंकड़े पेश नहीं किए हैं। एनसीबीसी के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने कहा कि यह मामला छह महीने से अधिक समय से हमारे संज्ञान में है। हमने मुख्य सचिव को चार बार तलब किया है। अधिकारी न तो पेश हुए हैं और न ही सरकार ने अपनी सिफारिश को सपोर्ट करने वाला कोई डेटा दिया है। अब हम इन प्रस्तावों को अस्वीकार करने के लिए मजबूर हैं। गौरतलब है कि कि वर्तमान में, केंद्रीय ओबीसी सूची में पश्चिम बंगाल की 98 जातियां शामिल हैं।

राज्य ने 87 और जातियों को शामिल करने की सिफारिश की है, जिसमें 83 जातियों को नए सिरे से शामिल करने और 4 जातियों के नाम में सुधार की सिफारिश की गई है। इस पर अहीर ने कहा कि नामकरण में सुधार की बात मान ली जाएगी। लेकिन 83 जातियों को ओबीसी में शामिल करना स्वीकार्य नहीं है क्योंकि राज्य सरकार ने इससे जुड़ा डेटा उपलब्ध नहीं कराया है। सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले में उचित मानदंड निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें सुनिश्चित करने की जरूरत है। पश्चिम बंगाल की आबादी में ओबीसी की हिस्सेदारी 16 प्रतिशत है। एनसीबीसी के आंकड़ों के अनुसार, राज्य की ओबीसी सूची में 179 जातियां शामिल हैं, जिनमें 61 हिंदू ओबीसी और 118 मुस्लिम ओबीसी सूची में शामिल हैं।

राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर में आई खराबी, उतरकर 20 मिनट बाद दूसरे विमान से हुई रवाना

रांची (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हेलीकॉप्टर में आई खराबी के कारण उन्हें उतरकर बीस मिनट दूसरे हेलीकॉप्टर का इंतजार करना पडा। हालांकि बाद में वैकल्पिक हेलीकॉप्टर ने उड़ान भरकर उन्हें गंतव्य तक पहुंचाया। जानकारी के अनुसार झारखंड की राजधानी रांची में राष्ट्रपति का दौरा था। अचानक रांची एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हेलीकॉप्टर में खराबी आ गई। यह पूरा मामला तब हुआ जब रांची के सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ झारखंड में दीक्षांत समारोह में भाग लेने के बाद राष्ट्रपति को उड़ीसा के सीमावर्ती स्थान सुकरूली जाना था। राष्ट्रपति दोपहर 1 बजे के करीब सीयूजे से रांची एयरपोर्ट के लिए रवाना हो चुकी थी। रांची एयरपोर्ट पहुंचने के बाद राष्ट्रपति अपने विशेष हेलीकाप्टर पर बैठ चुकी थीं लेकिन इसी दौरान पायलट को हेलीकॉप्टर में आयी तकनीकी खराबी की जानकारी मिली, जिसके बाद पायलट ने इसकी सूचना एटीएस को दी। इसके बाद राष्ट्रपति हेलीकॉप्टर से उतरकर वीआईपी लाउंज में चली गईं, जहां उन्होंने करीब 20 मिनट इंतजार किया। तब तक वहां दूसरा हेलीकॉप्टर रवानगी के लिए तैयार हो गया।

तब कहीं राष्ट्रपति ने वैकल्पिक हेलीकॉप्टर से सफर तय किया। इसके बाद दोपहर करीब 2.30 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू वैकल्पिक हेलीकॉप्टर से ओडिशा के सीमावर्ती सुकरूली के लिए रवाना हो गयीं। आपको बता दें कि दिल्ली से तीन दिन पहले ही राष्ट्रपति के लिए विशेष हेलीकाप्टर रांची एयरपोर्ट पहुंच चुका था और इसी हेलीकॉप्टर से राष्ट्रपति को रांची में दीक्षांत समारोह में शामिल होने के बाद उड़ीसा के सीमावर्ती सुकरूली रवाना होना था। लेकिन इस हेलीकॉप्टर में ऐन मौके पर आई खराबी ने रांची एयरपोर्ट पर चालक दल के साथ-साथ राष्ट्रपति की सुरक्षा में लगे अधिकारियों के होश उड़ा दिए। दरअसल रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के वीआईपी स्क्वाड्रन में तीन हेलीकॉप्टर हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसे में राष्ट्रपति के मुख्य हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने की जानकारी मिलते ही दूसरे हेलीकॉप्टर को तैयार करके राष्ट्रपति को अपने गंतव्य की ओर रवाना किया।

देशभर के कर्मचारियों ने दी चेतावनी : पुरानी पेंशन नहीं दी तो रेल और अस्पताल हो सकते हैं बंद ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान आंदोलन अभी खत्म नहीं हुआ और दूसरे बड़े आंदोलन की आहट सुनाई देने लगी है। ये वो आंदोलन है जिसमें ट्रेन, अस्पताल और तमाम जरुरी सुविधाएं भी बंद हो सकती है। देशभर के कर्मचारियों ने सरकार को चेतावनी देते हुए स्पष्ट कहा है कि पुरानी पेंशन की मांग पूरी नहीं की गई तो 1 मई से हड़ताल पर चले जाएंगे। गंभीर बात ये है कि ये चेतावनी किसी एक संगठन ने नहीं दी है। बल्कि लगभग सभी संगठन ओपीएस की मांग कर रहे हैं। यही कारण है कि केंद्र सरकार के 28 लाख और विभिन्न राज्यों के 3 करोड़ से अधिक कर्मचारियों ने एक साथ हड़ताल पर जाने को कहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, अनिश्चितकालीन हड़ताल के आह्वान से पहले रेलवे, विभिन्न विभागों और केंद्र के अधीन सार्वजनिक उपक्रमों के विभाग में हड़ताल के लिए मतदान हुआ और यूनियनों का दावा है कि उन्हें कर्मचारियों का करीब 100 फीसदी समर्थन मिला है। वहीं अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ के महासचिव सी. श्रीकुमार ने कहा, 'सरकारी कर्मचारियों ने सरकार के कामकाज में बाधा डाले बिना विरोध कार्यक्रम आयोजित करके 20 सालों तक धैर्यपूर्वक इंतजार किया है। सभी सरकारें हमारी मांग को नजरअंदाज कर रही हैं और निराशाजनक राष्ट्रीय पेंशन योजना को जारी रख रही हैं। हाल ही में न्यायिक वेतन आयोग ने न्यायाधीशों के लिए परिभाषित और गारंटीशुदा पेंशन की सिफारिश की है। फिर सरकारी कर्मचारियों के साथ भेदभाव क्यों किया जाता है?'उन्होंने आगे कहा कि कर्मचारी हड़ताल करने को मजबूर हैं क्योंकि सरकार उनकी वास्तविक शिकायतों के प्रति असंवेदनशील है और सरकार समर्थक भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) को छोड़कर सभी यूनियनें हड़ताल में भाग लेंगी।

ओवैसी बढ़ाएंगे यूपी में अखिलेश की मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले जयंत चौधरी ने उनका साथ छोड़ा, फिर स्वामी प्रसाद मौर्य - सलीम शेरवानी और मनोज पांडेय जैसे नेता बागी हुए, इसके बाद राज्यसभा चुनाव में आधा दर्जन विधायकों ने क्रॉस वोटिंग कर दी। अखिलेश यादव इन झटकों से उबर भी नहीं पाए कि अब असदउद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने उन्हें मुस्लिम वोटों में सेंधमारी करने की बडी धमकी दी है। ओवैसी की पार्टी ने लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव से समझौते की इच्छा जताते हुए पांच सीटों की डिमांड कर दी है। अखिलेश यादव को यह धमकी भी दी गई है कि अगर उन्होंने एमआईएम से समझौता कर उसे पांच सीटें नहीं दी तो असदउद्दीन ओवैसी यूपी में न सिर्फ खुद किसी सीट से चुनाव लडेंगे, बल्कि मुस्लिम बाहुल्य पचीस दूसरी सीटों पर अपने उम्मीदवार भी उतारेंगे। ऐसे में मुस्लिम वोटों का बंटवारा होने की पूरी जिम्मेदारी अखिलेश यादव की होगी। दावा यह भी किया जा रहा है कि ओवैसी ने हैदराबाद के साथ ही यूपी से भी चुनाव लड़ने वाली सीट भी तय कर ली है। हालांकि इस सीट का नाम अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। ओवैसी की पार्टी आल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लेमीन के प्रवक्ता मोहम्मद फरहान साहेब के मुताबिक अगर अखिलेश यादव सही मायनों में बीजेपी से लड़ना और उसे तीसरी बार सरकार बनाने से रोकना चाहते हैं तो उन्हें यूपी में विपक्षी वोटों का बिखराव रोकना होगा। उनके मुताबिक असदउद्दीन ओवैसी मौजूदा दौर में मुसलमानों के इकलौते नेता हैं। हर लोकसभा सीट पर उनका बड़ा वोट बैंक है। प्रवक्ता मोहम्मद फरहान का कहना है कि उनके नेता ओवैसी ही सही मायनों में बीजेपी के खिलाफ लड़ रहे हैं। इसीलिए खुद ओवैसी यह चाहते हैं कि अखिलेश यादव यूपी में उनकी पार्टी को भी अपने इंडिया गठबंधन में शामिल करें और चुनाव लड़ने के लिए पांच सीटें भी छोड़ें। प्रवक्ता फरहान का कहना है कि असदउद्दीन ओवैसी इस चुनाव में यूपी में जय मीम - जय भीम का नारा बुलंद करना चाहते हैं। अगर अखिलेश यादव समझौते में पांच सीटें छोड़ देते हैं तो ओवैसी यूपी से चुनाव नहीं लड़ेंगे और हैदराबाद की अपनी पुरानी सीट से ही किस्मत आजमाएंगे। समझौते की सूरत में नगीना सीट पर पार्टी के दलित नेता पवन अंबेडकर को उम्मीदवार बनाया जाएगा, जबकि आजमगढ़ सीट से पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली चुनाव लडेंगे। बाकी तीन सीटों मुरादाबाद - संभल और आंवला पर उम्मीदवार बाद में तय किए जाएंगे। प्रवक्ता मोहम्मद फरहान के मुताबिक असदउद्दीन ओवैसी के लिए यूपी में ऐसी सीट तय की गई है जहां किसी भी विपक्षी की जमानत नहीं बचेगी। हालांकि उन्होंने सीट के नाम का फैसला नहीं किया। प्रवक्ता फरहान ने साफ़ तौर पर कहा है कि ओवैसी और उनकी पार्टी अखिलेश यादव से भीख में पांच सीटें नहीं मांग रही, बल्कि उसके बदले बाकी पचहत्तर सीटों पर बीजेपी के खिलाफ विपक्षी वोटों का बिखराव रोका जाएगा। उन्होंने बताया कि समझौते को लेकर सपा नेताओं से बातचीत भी चल रही है। उम्मीद है कि बात बन जाएगी, लेकिन अगर समझौता नहीं होता तो उसकी जिम्मेदारी अकेले अखिलेश यादव की होगी और उसका खामियाजा भी उन्हे ही भुगतना होगा। उनके मुताबिक यूपी की तमाम सीटों के लोग चाहते हैं कि ओवैसी उनके यहां से चुनाव लड़ें, लेकिन बहुत सोच समझकर एक सीट अंतिम तौर पर तय कर ली गई हैं। इसका नाम बाद में घोषित किया जाएगा।

अनंत अंबानी के प्री वेडिंग फंक्शन में दुनिया की मशहूर हस्तियों का आगमन शुरू

पटना (एजेंसी)। जामनगर भारत के सबसे अमीर उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी की राधिका मर्चेंट से आगामी जुलाई महीने में होनेवाली है। उससे पहले अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग फंक्शन का 1 से 3 मार्च तक जामनगर के रिलायंस ग्रीन्स में आयोजन किया गया है। प्री वेडिंग में देश-दुनिया की जानी मानी हस्तियों को आमंत्रित किया है और उनका जामनगर में आगमन भी शुरू हो गया है। मेहमानों के स्वागत के लिए जामनगर में सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की प्री-वेडिंग सेरेमनी 1 मार्च से गुजरात के जामनगर में शुरू होने जा रही है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग फंक्शन के लिए बॉलीवुड सितारे भी जामनगर पहुंचने लगे हैं। इसी बीच आज बॉलीवुड इंडस्ट्री के सुपरस्टार सलमान खान भी जामनगर पहुंचे। मुकेश अंबानी और नीता अंबानी के बेटे अनंत अंबानी के प्री-वेडिंग फंक्शन में बॉलीवुड और हॉलीवुड की कई हस्तियों के शामिल होने को देखते हुए सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है। एशिया के नंबर वन अमीर मुकेश अंबानी की सादगी जगजाहिर है। त्योहार के दौरान अंबानी परिवार आम लोगों की तरह व्यवहार करता है। एक बार फिर अंबानी परिवार की ऐसी ही सादगी देखने को मिली। मौका था छोटे बेटे अनंत अंबानी की शादी और वेन्यू था जामनगर का जोगवड गांव। जोगवड गांव के लोगों को अंबानी परिवार ने बड़े प्यार से भोजन कराया। यहां तक कि खुद मुकेश अंबानी, अनंत अंबानी और उनकी होने वाली दुल्हन राधिका मर्चेंट लोगों को भोजन परोसते दिखाई दिए। अंबानी परिवार ने जामनगर में रिलायंस टाउनशिप के पास जोगावड गांव में एक खाद्य सेवा शुरू की, जहां मुकेश अंबानी और घर के अन्य सदस्य ग्रामीणों को भोजन परोसते नजर आए। लोगों को खाना परोसते दूल्हा-दुल्हन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। भोजन सेवा में दूल्हा-दुल्हन के अलावा राधिका मर्चेंट की दादी और माता-पिता भी शामिल हुए। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग फेस्ट 1 मार्च से शुरू होगा और इसमें मनोरंजन, राजनीति और बिजनेस जगत की बड़ी हस्तियां शामिल होंगी। अभिषेक बच्चन, मानुषी छिल्लर और जान्हवी कपूर जैसे कलाकार जामनगर पहुंच गए हैं। पॉप आइकन रिहाना, अभिनेता-गायक दिलजीत दोसांझ और अरिजीत सिंह सहित अन्य लोग प्रदर्शन करने वाले हैं। बता दें कि ये एक प्री-वेडिंग फंक्शन है और अनंत और राधिका 12 जुलाई को मुंबई में शादी करेंगे। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री वेडिंग फंक्शन में क्रिकेट जगत सचिन तेंदुलकर, एमएस धोनी, रोहित शर्मा, केएल राहुल, हार्दिक और कृणाल पंड्या, इशान किशन को न्यौता दिया गया है। जबकि बोलीवुड से अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, शाहरुखखान, आमिरखान, रणवीरसिंह, रणबीर कबूर, विक्की कौशल, माधुरी दीक्षि, आदित्य चोड़ा, करण जोहर, बोनीकपूर, अनिल कपूर, वरुण धवन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, श्रद्धा कपूर और करिश्मा कपूर इत्यादि को सपरिवार आमंत्रित किया गया है।